Roll No. ……..

DPJ–104

मुहूर्त्त विचार

फलित ज्योतिष में डिप्लोमा (डी. पी. जे.—16/17)

प्रथम सेमेस्टर, सत्र 2017

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. नामकरण, अन्नप्राशन, चूड़ाकरण एवं उपनयन मुहूर्त्त का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।
2. विवाह में विचारणीय प्रमुख दस दोषों का विस्तृत उल्लेख कीजिए।
3. मानव जीवन में मुहूर्त्त की उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।
4. गृहप्रवेश मुहूर्त्त का लेखन करते हुए उसमें पंचांग शुद्धि का विस्तृत उल्लेख कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. विवाह मुहूर्त्त का लेखन कीजिए।
2. नींव खोदने एवं गृहारम्भ मुहूर्त्त का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
3. दिनमान एवं रात्रिमान क्या है ? स्पष्ट कीजिए।
4. विद्यारम्भ के लिए प्रशस्त अयन, तिथि, नक्षत्र तथा वारों का उल्लेख कीजिए।
5. युगादि एवं मन्वादि तिथियों को स्पष्ट रूप से लिखिए।
6. विवाहोक्त रविबल एवं चन्द्रबल विचार का लेखन कीजिए।
7. जीर्णगृहप्रवेश में काल एवं मास शुद्धि का विचार कैसे किया जाता है ?
8. कूप, तडाग एवं जलाशयादि के आरम्भ में चक्रशुद्धिविचार के विषय में आप क्या जानते हैं ? लिखिए।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. निम्नलिखित में से किस वार को अभिजित नक्षत्र अशुभ माना गया है ?

   (क) मंगल

(ख) बुध
(ग) गुरु
(घ) शुक्र

2. होलाष्टक होता है :
(क) 8 दिन का
(ख) 6 दिन का
(ग) 9 दिन का
(घ) 7 दिन का

3. श्रीपति के मतानुसार निम्नलिखित में से किस राशि के सूर्य में गृहारम्भ नहीं करना चाहिए ?
(क) कर्क
(ख) तुला
(ग) मेष
(घ) मीन

4. गृहारम्भ में कौन-सा वार त्याज्य है ?
(क) रवि
(ख) बुध
(ग) गुरु
(घ) शुक्र

5. ध्रुवसंज्ञक नक्षत्र है :
(क) अश्विनी
(ख) रोहिणी
(ग) आश्लेषा
(घ) रेवती

6. कूर्मचक्र का उल्लेख किस ग्रन्थ में मिलता है ?
   (क) ज्योतिःप्रकाश
   (ख) अमरकोश
   (ग) ज्योतिश्चिन्तामणि
   (घ) सूर्यसिद्धान्त

7. दक्षिणमुखी गृह में प्रवेश किया जा सकता है :
   (क) नन्दा संज्ञक तिथियों में
   (ख) भद्रा संज्ञक तिथियों में
   (ग) जया संज्ञक तिथियों में
   (घ) इनमें से कोई नहीं

8. त्रिविध गृहप्रवेश में निम्न तिथि श्रेष्ठ है :
   (क) कृष्ण चतुर्थी
   (ख) कृष्ण चतुर्दशी
   (ग) शुक्ल नवमी
   (घ) शुक्ल त्रयोदशी

9. गृहप्रवेश में शुक्र शुभ होता है :
   (क) पूर्वस्थ
   (ख) सम्मुखस्थ
   (ग) पृष्ठस्थ
   (घ) पश्चिमस्थ

10. जीर्णकूपारम्भ में शुभ वार है :
   (क) मंगल
   (ख) रवि
   (ग) गुरु
   (घ) शनि